

---

# Tumburuprokta Shiva Stuti

—  
तुम्बुरुप्रोक्ता शिवस्तुतिः  
—

## Document Information

---

Text title : Tumburuprokta Shiva Stuti

File name : tumburuproktAshivastutiH.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | bhImAkhyah aShTamAMshah | adhyAyaH 2

chitrarathashApanivRittiH | 44-48.1||

Latest update : July 4, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 5, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Tumburuprokta Shiva Stuti

——  
तुम्बुरुप्रोक्ता शिवस्तुतिः



(शिवरडस्थान्तर्गते लीमाष्ये)

तुम्बुरुः (उवाच)

शर्वं गर्वपस्त्रिपूरितकाम-

स्तोमभाषाविनिवारक शम्भो ।

त्वत्पदाब्जकलनेन न कालः

कामकाय दमनाव्ययमूर्तं ॥ ४४ ॥

श्रीमत् त्रियम्बक सदाशिव वेदवेद्य

वैद्योत्तम प्रथमनाथ सुरासुरेज्य ।

श्रीविश्वनाथ मम नाथ समुद्भूराशु

दुर्वारपापद्वेगधमिमं कृपालो ॥ ४५ ॥

स्वर्णवर्णकृतनेत्रकर्णजा-

पारदार गगनान्तरसंस्थ ।

उर्णनाभिरिव त्वद्गतमेत-

ज्जागतं विसृजसेऽत्सि य तूर्णम् ॥ ४६ ॥

शम्भुकर्णभरित स्तुतिजाते

भद्रकर्णकृतशङ्खनिनादैः ।

नन्दिवाद्यभरतानुगताध्वै-

र्नृत्तरङ्गमपि ते हृदयान्तः ॥ ४७ ॥

--

एत्थं तत्स्तुतिजातेन वीतपापोऽभवत्क्षणात् । ४८.१

॥ एति शिवरडस्थान्तर्गते तुम्बुरुप्रोक्ता शिवस्तुतिः सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरडस्थम् । लीमाष्यः अष्टमांशः । अध्यायः २ चित्ररथशापनिवृत्तिः । ४४-४८.१ ॥

- .. shrIshivarahasyam . bhImAkhyaH aShTamAMshaH . adhyAyaH 2 chitrarathashApanivRRittiH  
. 44-48.1..

Proofread by Ruma Dewan

---

—  
*Tumburuprokta Shiva Stuti*  
pdf was typeset on July 5, 2024  
—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

